



# 山水田园诗词鉴赏

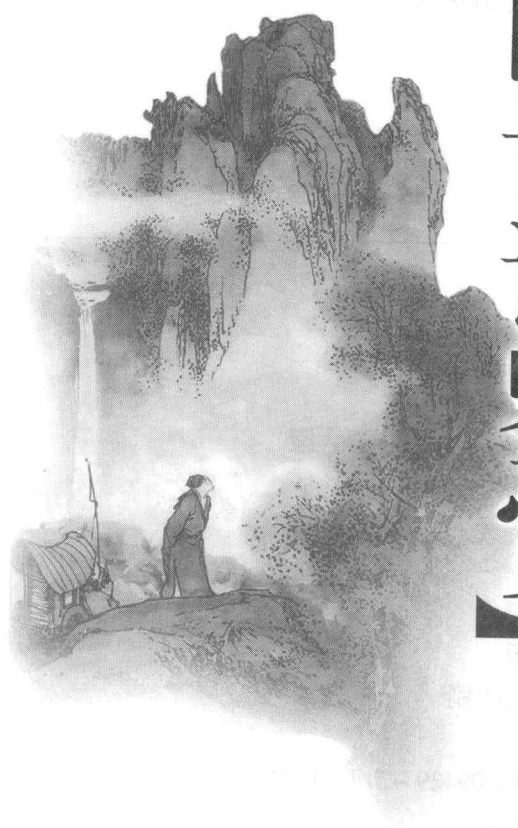
蔡景仙◎主编



内蒙古人民出版社

# 山水田园诗词鉴赏

蔡景仙◎主编



内蒙古人民出版社

### 图书在版编目(CIP)数据

山水田园诗词鉴赏/蔡景仙主编. —呼和浩特:内蒙古人民出版社,  
2008.3

(中华经典诗词鉴赏)

ISBN 978 - 7 - 204 - 09429 - 5

I. 山… II. 蔡… III. 古典诗歌—鉴赏—中国 IV. I207.2

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2008)第 038777 号

### 中华经典诗词鉴赏

---

主 编 蔡景仙

责任编辑 毅 鸣

封面设计 大 章

出版发行 内蒙古人民出版社

地 址 呼和浩特市新城区新华大街祥泰大厦

印 刷 北京奥达福利装印厂

开 本 710 × 1000 1/16

印 张 276

字 数 1800 千

版 次 2008 年 4 月第 1 版

印 次 2008 年 4 月第 1 次印刷

印 数 1—10000 套

书 号 ISBN 978 - 7 - 204 - 09429 - 5/I · 1921

定 价 360.00 元(全 12 册)

---

如出现印装质量问题,请与我社联系。联系电话:(0471)4971562 4971659

# 前 言

我们已经穿越世纪之门，并且比以前更清晰地知道，中华民族的历史正在有力的延伸。经历了百年的起起落落，风吹雨打，中华民族的传统文化再一次散发出其灿烂辉煌的恒久魅力。数千年来，中国文学如一条清流在历史的峡谷中流淌，成为传统文化最美的组成部分，成为传承民族文化的血脉和纽带。

诗词是中国文学重要的分支。中国是一个诗词的泱泱大国。自春秋始，至近现代的成百上千的优秀诗人词者，创作了无数名篇佳句，这些作品如熠熠群星，成为历史的天空中最亮丽的风景，且历经千古而不朽。历朝历代的文人墨客用诗词这种短小精致，声韵华美的文学形式，抒发自己的心声和志向，或闲情逸致，或忧国忧民，或离合悲欢，或壮志豪情，或百味杂陈于一体。那此既深含哲理、又富有辞采声韵之美的佳作，千百年之下读来仍余音袅袅，弦犹在耳，给人以强烈的精神上的享受。

《中华精典诗词鉴赏》荟萃了流传久远、脍炙人口、有欣赏和实用价值的诗词名言佳句。所选诗词均注明作者、出处，并录出原文，以便读者对照、窥其全貌。每句诗词加以准确注释，使之适宜阅读，便于查考、运用。重点对诗词名句的艺术性进行简要的评论赏析，旨在切中要点，抉示精微。

《中华精典诗词鉴赏》对广大读友在学习、欣赏、运用中国古典诗词名句时，必定不无裨益，值得终生典藏。

# 目 录

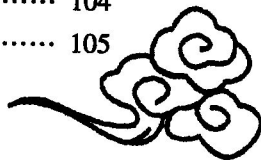
## 山水田园诗鉴赏

1

|                   |    |
|-------------------|----|
| 群鹤咏 .....         | 1  |
| 后园作回文诗 .....      | 2  |
| 游太平山 .....        | 3  |
| 别诗 .....          | 4  |
| 临高台 .....         | 5  |
| 王孙游 .....         | 6  |
| 游东田 .....         | 7  |
| 晚登三山还望京邑 .....    | 8  |
| 送别 .....          | 10 |
| 渡黄河 .....         | 11 |
| 济浙江 .....         | 12 |
| 早发定山 .....        | 13 |
| 咏檐前竹 .....        | 14 |
| 边城思 .....         | 15 |
| 山中杂诗三首(其一) .....  | 16 |
| 入关 .....          | 17 |
| 至湘洲望南岳 .....      | 18 |
| 采菱曲 .....         | 19 |
| 诏问山中何所有赋诗以答 ..... | 20 |
| 入若耶溪 .....        | 21 |
| 望隔墙花 .....        | 22 |
| 落日郡西斋望海山 .....    | 23 |
| 夜游北园 .....        | 24 |
| 江南弄·采莲曲 .....     | 25 |
| 出江陵县还二首(其一) ..... | 26 |
| 咏细雨 .....         | 27 |
| 江行 .....          | 28 |

|                   |    |
|-------------------|----|
| 棹歌行 .....         | 29 |
| 送北征 .....         | 30 |
| 早春 .....          | 31 |
| 云居寺高顶 .....       | 32 |
| 喜晴 .....          | 33 |
| 渡青草湖 .....        | 34 |
| 晚泊五洲 .....        | 36 |
| 春日 .....          | 37 |
| 咏山三首(其一) .....    | 38 |
| 春江花月夜(二首选一) ..... | 39 |
| 野望 .....          | 40 |
| 宿郊外晓作 .....       | 41 |
| 五噫歌 .....         | 42 |
| 江南 .....          | 43 |
| 古绝句 .....         | 44 |
| 观沧海 .....         | 45 |
| 和风从东来 .....       | 46 |
| 赠从弟三首(其二) .....   | 47 |
| 杂诗七首(选一) .....    | 48 |
| 咏怀八十二首(其一) .....  | 49 |
| 途中作 .....         | 50 |
| 思吴江歌 .....        | 51 |
| 杂诗十首(其四) .....    | 52 |
| 神情诗 .....         | 53 |
| 帆入南湖 .....        | 54 |
| 天晴 .....          | 55 |
| 饮酒二十首(其五) .....   | 57 |
| 饮酒二十首(其八) .....   | 59 |
| 归园田居五首(其三) .....  | 60 |
| 登江中孤屿 .....       | 61 |
| 石室山 .....         | 62 |
| 石壁精舍还湖中作 .....    | 63 |
| 登池上楼 .....        | 64 |
| 江南思 .....         | 65 |

|                  |     |
|------------------|-----|
| 秋思引 .....        | 66  |
| 梅花落 .....        | 67  |
| 代春日行 .....       | 68  |
| 蝉 .....          | 69  |
| 秋夜喜遇王处士 .....    | 70  |
| 守岁 .....         | 71  |
| 曲池荷 .....        | 72  |
| 玩初月 .....        | 73  |
| 中秋月(二首选一) .....  | 74  |
| 江亭夜月送别(二首) ..... | 75  |
| 春江曲 .....        | 77  |
| 蚕 .....          | 78  |
| 咏柳 .....         | 79  |
| 回乡偶书(二首) .....   | 80  |
| 上元夜(六首选三) .....  | 81  |
| 送梁六自洞庭山作 .....   | 83  |
| 登鹳雀楼 .....       | 84  |
| 凉州词 .....        | 85  |
| 宴词 .....         | 86  |
| 宿建德江 .....       | 87  |
| 送杜十四之江南 .....    | 88  |
| 过故人庄 .....       | 89  |
| 渡浙江问舟人 .....     | 90  |
| 早寒有怀 .....       | 91  |
| 夜归鹿门歌 .....      | 92  |
| 从军行(七首选五) .....  | 93  |
| 出塞(二首选一) .....   | 97  |
| 芙蓉楼送辛渐 .....     | 98  |
| 送魏二 .....        | 99  |
| 送柴侍御 .....       | 100 |
| 采莲曲(二首) .....    | 101 |
| 鹿柴 .....         | 103 |
| 山中 .....         | 104 |
| 竹里馆 .....        | 105 |



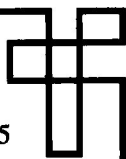
|                       |     |
|-----------------------|-----|
| 辛夷坞 .....             | 106 |
| 皇甫岳云溪杂题(五首选一) .....   | 107 |
| 萍池 .....              | 108 |
| 木兰柴 .....             | 109 |
| 相思 .....              | 110 |
| 书事 .....              | 111 |
| 送元二使安西 .....          | 112 |
| 送沈子福归江东 .....         | 113 |
| 九月九日忆山东兄弟 .....       | 114 |
| 少年行(其一) .....         | 115 |
| 凉州赛神 .....            | 116 |
| 山居秋暝 .....            | 117 |
| 渭川田家 .....            | 119 |
| 辋川闲居赠裴秀才迪 .....       | 120 |
| 终南山 .....             | 121 |
| 观猎 .....              | 122 |
| 使至塞上 .....            | 123 |
| 积雨辋川庄作 .....          | 124 |
| 秋浦歌(十七首选三) .....      | 126 |
| 绿水曲 .....             | 129 |
| 陪侍郎叔游洞庭醉后(三首选二) ..... | 130 |
| 秋下荆门 .....            | 132 |
| 望庐山瀑布 .....           | 133 |
| 望庐山五老峰 .....          | 134 |
| 望天门山 .....            | 135 |
| 黄鹤楼送孟浩然之广陵 .....      | 136 |
| 峨眉山月歌 .....           | 137 |
| 客中作 .....             | 138 |
| 东鲁门泛舟二首(选一) .....     | 139 |
| 闻王昌龄左迁龙标遥有此寄 .....    | 140 |
| 早发白帝城 .....           | 141 |
| 春夜洛城闻笛 .....          | 142 |
| 与史郎中钦听黄鹤楼上吹笛 .....    | 143 |
| 横江词(六首选一) .....       | 144 |

|                     |     |
|---------------------|-----|
| 苏台览古 .....          | 145 |
| 清溪行 .....           | 146 |
| 凉州词(二首选一) .....     | 147 |
| 桃花溪 .....           | 148 |
| 清溪泛舟 .....          | 149 |
| 山中留客 .....          | 150 |
| 云安阻雨 .....          | 151 |
| 移家别湖上亭 .....        | 152 |
| 塞上曲 .....           | 153 |
| 塞下曲 .....           | 154 |
| 题槿花 .....           | 155 |
| 采莲曲 .....           | 156 |
| 塞上听吹笛 .....         | 157 |
| 别董大(二首选一) .....     | 158 |
| 钓鱼湾 .....           | 159 |
| 江南曲(四首选一) .....     | 160 |
| 明妃词(四首选一) .....     | 161 |
| 早梅 .....            | 162 |
| 逢雪宿芙蓉山主人 .....      | 163 |
| 送灵澈上人 .....         | 164 |
| 送李判官之润州行营 .....     | 165 |
| 重送裴郎中贬吉州 .....      | 166 |
| 明月夜留别 .....         | 167 |
| 绝句二首(其一) .....      | 168 |
| 赠李白 .....           | 169 |
| 江畔独步寻花七绝句(选二) ..... | 170 |
| 赠花卿 .....           | 172 |
| 绝句漫兴九首(选二) .....    | 173 |
| 绝句四首(选一) .....      | 175 |
| 漫成一首 .....          | 176 |
| 夔州歌十绝句(选四) .....    | 177 |
| 奉和严郑公军城早秋 .....     | 180 |
| 解闷十二首(选一) .....     | 181 |
| 江南逢李龟年 .....        | 182 |

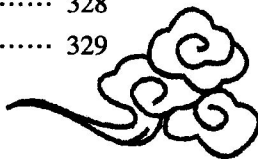
|                   |     |
|-------------------|-----|
| 逢入京使 .....        | 183 |
| 武威送刘判官赴碛西行军 ..... | 184 |
| 赵将军歌 .....        | 185 |
| 山房春事(二首) .....    | 186 |
| 碛中作 .....         | 188 |
| 白雪歌送武判官归京 .....   | 189 |
| 春行即兴 .....        | 190 |
| 月夜 .....          | 191 |
| 采莲曲 .....         | 192 |
| 华子岗 .....         | 193 |
| 木兰柴 .....         | 194 |
| 欸乃曲(五首选一) .....   | 195 |
| 枫桥夜泊 .....        | 196 |
| 戏鸥 .....          | 197 |
| 暮春归故山草堂 .....     | 198 |
| 春郊 .....          | 199 |
| 归雁 .....          | 200 |
| 春思(二首选一) .....    | 201 |
| 柏林寺南望 .....       | 202 |
| 听邻家吹笙 .....       | 203 |
| 寒食 .....          | 204 |
| 宿石邑山中 .....       | 205 |
| 江村即事 .....        | 206 |
| 咏绣幃 .....         | 207 |
| 小儿垂钓 .....        | 208 |
| 丹阳送韦参军 .....      | 209 |
| 歌 .....           | 210 |
| 听角思归 .....        | 211 |
| 小孤山 .....         | 212 |
| 过山农家 .....        | 213 |
| 军城早秋 .....        | 214 |
| 采莲词 .....         | 215 |
| 征人怨 .....         | 216 |
| 题稚川山水 .....       | 217 |

|                       |     |
|-----------------------|-----|
| 兰溪棹歌 .....            | 218 |
| 塞上曲 .....             | 219 |
| 苏溪亭 .....             | 220 |
| 闻雁 .....              | 221 |
| 滁州西涧 .....            | 222 |
| 休日访人不遇 .....          | 223 |
| 自巩洛舟行入黄河即事寄府县僚友 ..... | 224 |
| 成德乐 .....             | 225 |
| 塞下曲(六首选三) .....       | 226 |
| 山店 .....              | 228 |
| 度破讷沙(二首选一) .....      | 229 |
| 从军北征 .....            | 230 |
| 塞下曲(四首选二) .....       | 231 |
| 听晓角 .....             | 233 |
| 征人歌 .....             | 234 |
| 行舟 .....              | 235 |
| 上汝州郡楼 .....           | 236 |
| 夜上受降城闻笛 .....         | 237 |
| 诣红楼院寻广宣不遇留题 .....     | 238 |
| 汴河曲 .....             | 239 |
| 巴女谣 .....             | 240 |
| 江南曲 .....             | 241 |
| 洛桥晚望 .....            | 242 |
| 登科后 .....             | 243 |
| 观祈雨 .....             | 244 |
| 从军行 .....             | 245 |
| 城东早春 .....            | 246 |
| 春兴 .....              | 247 |
| 送王永(二首选一) .....       | 248 |
| 题都城南庄 .....           | 249 |
| 三日寻李九庄 .....          | 250 |
| 塞下曲四首(其一) .....       | 251 |
| 湘江曲 .....             | 252 |
| 蛮州 .....              | 253 |

|                      |     |
|----------------------|-----|
| 成都曲 .....            | 254 |
| 送蜀客 .....            | 255 |
| 泛舟入后溪 .....          | 256 |
| 寻山家 .....            | 257 |
| 雨过山村 .....           | 258 |
| 十五夜望月 .....          | 259 |
| 江陵使至汝州 .....         | 260 |
| 赠李愬仆射二首(其一) .....    | 261 |
| 少年行(四首选二) .....      | 262 |
| 筹边楼 .....            | 264 |
| 送友人 .....            | 265 |
| 早春呈水部张十八员外 .....     | 266 |
| 春雪 .....             | 267 |
| 湘中酬张十一功曹 .....       | 268 |
| 游城南十六首(选一) .....     | 269 |
| 次潼关先寄张十二阁老使君 .....   | 270 |
| 盆池 .....             | 271 |
| 题张十一旅舍三咏(选一) .....   | 272 |
| 题木居士二首(选一) .....     | 273 |
| 塞下曲(五首选二) .....      | 274 |
| 汉苑行 .....            | 276 |
| 贞元十四年早甚见权门移芍药花 ..... | 277 |
| 竹枝词(二首) .....        | 278 |
| 浪淘沙九首(选二) .....      | 280 |
| 竹枝诗词九首(选三) .....     | 282 |
| 望洞庭 .....            | 284 |
| 堤上行(三首选二) .....      | 285 |
| 乌衣巷 .....            | 287 |
| 踏歌词四首(选一) .....      | 288 |
| 杨柳词 .....            | 289 |
| 秋词(二首选一) .....       | 290 |
| 再游玄都观并引 .....        | 291 |
| 石头城 .....            | 293 |
| 台城 .....             | 294 |



|                      |     |
|----------------------|-----|
| 夜雪 .....             | 295 |
| 村夜 .....             | 296 |
| 大林寺桃花 .....          | 297 |
| 暮江吟 .....            | 298 |
| 白云泉 .....            | 299 |
| 采莲曲 .....            | 300 |
| 竹枝词(四首选一) .....      | 301 |
| 建昌江 .....            | 302 |
| 惜牡丹花 .....           | 303 |
| 花非花 .....            | 304 |
| 杨柳枝词 .....           | 305 |
| 赋得古原草送别 .....        | 306 |
| 江雪 .....             | 307 |
| 酬曹侍御过象县见寄 .....      | 308 |
| 与浩初上人同看山寄京华亲故 .....  | 309 |
| 柳州二月榕叶落尽偶题 .....     | 310 |
| 登柳州城楼寄漳汀封连四州刺史 ..... | 311 |
| 再宿武关 .....           | 312 |
| 润州听暮角 .....          | 313 |
| 井栏砂宿遇夜客 .....        | 314 |
| 夜笛词 .....            | 315 |
| 江花落 .....            | 316 |
| 西归绝句(十二首选一) .....    | 317 |
| 酬乐天频梦微之 .....        | 318 |
| 菊花 .....             | 319 |
| 题兴化园亭 .....          | 320 |
| 三月晦日赠刘评事 .....       | 321 |
| 题金陵渡 .....           | 322 |
| 纵游淮南 .....           | 323 |
| 渡桑乾 .....            | 324 |
| 采莲子(二首) .....        | 325 |
| 浪淘沙(二首选一) .....      | 327 |
| 暮春沪水送别 .....         | 328 |
| 骆谷晚望 .....           | 329 |



|                    |     |
|--------------------|-----|
| 登玄都阁 .....         | 330 |
| 过耶溪 .....          | 331 |
| 登崖州城作 .....        | 332 |
| 长安秋夜 .....         | 333 |
| 小松 .....           | 334 |
| 南园(十三首选二) .....    | 335 |
| 昌谷北园新笋(四首选一) ..... | 337 |
| 马诗二十三首(选二) .....   | 338 |
| 湘江夜泛 .....         | 340 |
| 庐山瀑布 .....         | 341 |
| 农家望晴 .....         | 342 |
| 谢亭送别 .....         | 343 |
| 鹭鹭 .....           | 344 |
| 江南春 .....          | 345 |
| 山行 .....           | 346 |
| 泊秦淮 .....          | 347 |
| 金谷园 .....          | 348 |
| 清明 .....           | 349 |
| 过华清宫绝句三首(选一) ..... | 350 |
| 念昔游(三首选一) .....    | 351 |
| 江上偶见 .....         | 352 |
| 赤壁 .....           | 353 |
| 寄扬州韩绰判官 .....      | 354 |

# 群鹤咏

萧道成

## 【原文】

八风傥遥飏，九野弄清音<sup>(1)</sup>。  
一摧云间志，为君苑中禽。

## 【注释】

(1) 傥：通舞。飏(hé)：①鸟羽之茎状部分；②鸟翅。

## 【鉴赏】

这是一首用比兴手法写成的咏物诗，通篇写鹤，托物言志，表现内心情和宏志才大略。前二句写诗人见群鹤而生发感慨(兴)，又以鹤的形象自比(比)。鹤迎着八面来风，展开硕大羽翼，在九天之上翱翔鸣叫。鹤的高飞戾天，展现出作者的雄心抱负与宏才大略，同时也反映出他脱离羁绊的自在心情。后二句描写鹤因羽翼摧折而不能高飞云天，只能成为帝王园囿中观赏之物。此处以想像表现情志，通过前后意象的鲜明对比，作者内心的苦闷不平得到了生动展现，使诗意波澜起伏，给人留下深刻印象。这种五言四句的小诗是新兴的文学样式，齐梁时代已称作“绝句”，是唐代绝句的滥觞。此诗托物寄兴之妙，对后人颇有启迪。

## 后园作回文诗<sup>(1)</sup>

王融

### 【原文】

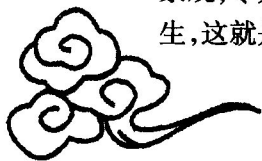
斜峰绕径曲，耸石带山连。  
花馥拂戏鸟，树密隐鸣蝉。

### 【注释】

(1)后园与回文诗：古代藩王权贵的花园规模宏大，常是峰绕山连，包容广袤，极具宏丽大观。此处当指作者家中后园。回文诗：是中国诗歌独有的一种诗体，由回文词组联缀成回文句，再由回文句结合为回文诗。回文能作一种特殊辞格，不能视为文字游戏。回文诗在顺读和逆读时，由于字词颠倒，构成含义显著不同的词组和回文句，进而结合为回文诗。

### 【鉴赏】

本诗具有典型句式结构，且构思巧妙，措词精当，使回文诗与正文意义相互补充，从而丰富了全诗意境，可将顺读反读连成一气，作为八句诗来欣赏。先看正读：由远景收入近景，先写峰势倾斜，小径屈曲，环绕于斜峰之间。次句补写山上多石，耸石破土而出，纷呈异状，山石相连，漫山夹径，展示出深悠和高远境界。后二句写出了满园花树，戏鸟鸣蝉，暗示春末夏初。两句园景描写，构成一幅红稀、绿稠、花鸟动、树蝉静、动中见态、静中传声的幽美图画。再看逆读：首句“蝉鸣隐密树”是由近及远（由近景拓出远景），先写所闻所见。次句“鸟戏拂馥花”，鸣蝉在浓密树林中欢唱，此伏彼起；群鸟在花间嬉戏，轻跃枝头，振落残花，一片热闹欢乐景象。三四句“连山带石耸，曲径绕峰斜”，写出全园优美景观。园中山势绵延，乱石嶙峋，危石耸立，曲径两侧布满乱石。曲径萦回缭绕，通向峰峦深处。翠峰山势向下缓倾，渐远渐低，色彩渐渐淡化。饱览全园景色景观，令人兴高采烈，欣喜万分！回文诗既可正读，又可逆读，反复欣赏，妙趣横生，这就是此类诗的奇妙之处。



# 游太平山<sup>(1)</sup>

孔稚珪

## 【原文】

石险天貌分，林交日容缺。  
阴涧落春荣，寒岩留夏雪。

## 【注释】

(1) 太平山：在浙江绍兴市东南。

## 【鉴赏】

此诗生动描绘了太平山的奇异景观。第一句仰视天空，先写山势高峻，险石竦峙，险峻的山石把天空一分为二。次句俯视林间，写太阳光线不能普照林间，而是疏条交映（林木交错），有时见日。后二句写俯视涧阴又仰望岩顶。在山中幽涧背阴处，竟还留有晚谢的春花；在高峻的寒岩上，竟还存留着夏天的积雪。短短四句诗将游山所见奇观异景描绘得十分准确形象，给人留下深刻印象！作者不愧为诗文中写景高手。